मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 01

उर्दू (22 अप्रैल2020)

उर्दू वर्णमाला और देवनागरी लिपि – अंतरण

नाम	वर्ण	अंतरण
अलिफ़	ا	स्वर के लिए प्रयुक्त
बे	ب	ब
पे	پ	प
ते	ت	त
टे	ٹ	ट
से	ث	स
जीम	ج	ज
चे	چ	च
हे	ح	ह
खे	خ	ख़
दाल	د	द
डाल	ڈ	ड
ज़ाल	ذ	ज़
रे	ر	र
ड़े	ڑ	ड़
ज़े	ز	ज़
झे	ژ	झ
सीन	س	स
शीन	ش	श
स्वाद	ص	स
ज़्वाद	ض	ज़
तोए	ط	त
ज़ोए	ظ	ज़
ऐन	ع	स्वर के लिए प्रयुक्त
ग़ैन	غ	ग़
फ़े	ف	फ़
क़ाफ़	ق	क़
काफ़	ک	क
गाफ़	گ	ग
लाम	ل	ल
मीम	م	म
नून	ن	न
वाओ	و	व
छोटी हे	ہ	ह
छोटी ये	ی	य / ई
बड़ी ये	ے	य / ए, ऐ

ا अ इ उ

ب ब پ प ت त ٹ ट ث स

ج ज چ च ح ह خ ख

د द ڈ ड ذ ज

ر र ڑ ड़ ز ज ژ स

س स ش श ص स ض ज़

ط त ظ ज़

ع अ इ उ غ ग़

ف फ़ ق क ک क گ ग

ل ल م म ں न ن न ण

و व ہ ह ھ ह ی य ے य

उर्दू वर्णमाला लिखने का तरीका

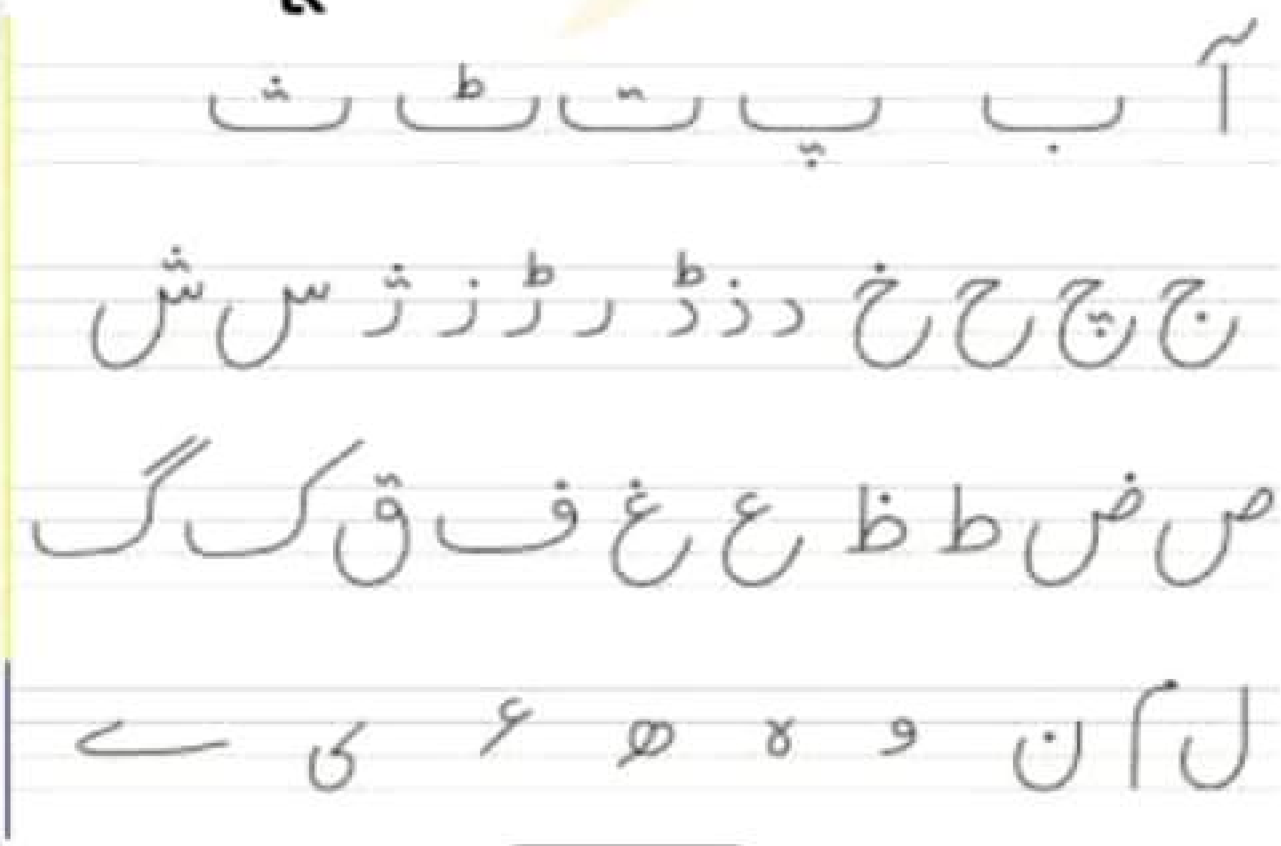

गृहकार्य

उर्दू वर्णमाला उसका उच्चारण और उससे बनने वाले वर्णों को 5 बार अपनी कॉपी में लिखे।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

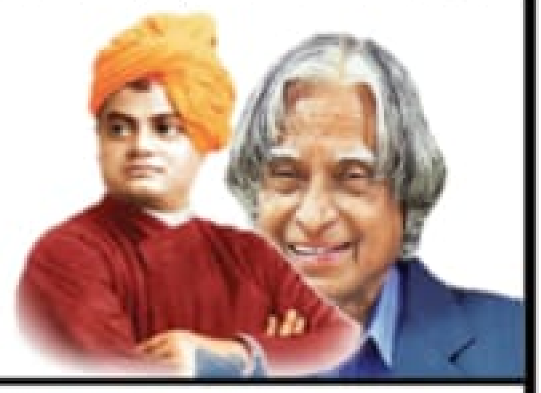

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 02

उर्दू (23 अप्रैल 2020)

आओ जाने
↓

अलिफ़ ا

ध्वनि	वर्ण का नाम	वर्ण
केवल स्वरों को लिखते समय प्रयोग	अलिफ़	ا

अलिफ़ ا वर्ण दीर्घ स्वर की आवाज़ देता है।

अलिफ़ ا उर्दू वर्णमाला का पहला वर्ण है। यह शब्द के बीच में और अंतिम स्थान पर एक सामान्य खड़ी रेखा की तरह ऊपर से नीचे की ओर लिखा जाता है। यह दीर्घ स्वर **आ** की आवाज़ देता है, जैसे – हिंदी में **तार**।

अंत	मध्य
ا	ا
आ	आ

शब्द के शुरू में **अलिफ़** ا को **मद** ~ नामक चिह्न की मदद से दीर्घ स्वर के रूप में लिखा जाता है। यह चिह्न **अलिफ़** ا के ऊपर लगाया जाता है।

आ آ

उर्दू वर्णमाला

वर्ण	नाम	name
ا	अलिफ़	alif
ب	बे	be
پ	पे	pe
ت	ते	te
ٹ	टे	ṭe
ث	से	se
ج	जीम	jīm
چ	चे	che
ح	बड़ी हे	badi he
خ	खे	khe
د	दाल	dāl
ڈ	डाल	ḍāl
ذ	ज़ाल	zāl
ر	रे	re
ڑ	ड़े	ṛre
ز	ज़े	zay
ژ	झे	zhe
س	सीन	sīn
ش	शीन	śīn
ص	सुआद	su'ād
ض	ज़ुआद	zu'ād
ط	तो	to
ظ	ज़ो	zo
ع	ऐन	'ain
غ	ग़ैन	ghain
ف	फ़े	fe
ق	क़ाफ़	qāf
ک	काफ़	kāf
گ	गाफ़	gāf
ل	लाम	lām
م	मीम	mīm
ن	नून	nūn
و	वाओ	vā'o
ہ	छोटी हे	choṭī he
ھ	दो चश्मी हे	do chaśmī he
ء	हमज़ा	hamzā
ی	छोटी ये	choṭī ye
ے	बड़ी य	badī ye

۰	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹
0	1	2	3	4	5	6	7	8	9

गृहकार्य

1. उर्दू वर्णमाला का अभ्यास करें।
2. 1-10 तक के अंकों का अभ्यास करें।
3. उर्दू वर्ण अलिफ़ का उच्चारण किस वर्ण के लिए किया जाता है?
4. अलिफ में मद के प्रयोग से कौन सा वर्ण बनाता है?
5- अलिफ की मध्य और अंत की स्थिति कैसी होगी?

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

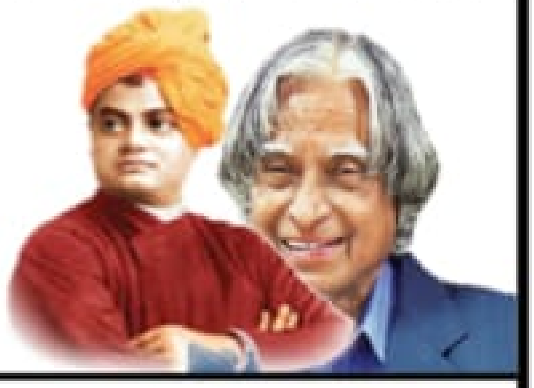

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 03

उर्दू (24 अप्रैल 2020)

आओ जाने ↓

रे ر समूह

नीचे दी गई तालिका में चार व्यंजन वर्ण दिए गए हैं। इन वर्णों को शब्द में आगे आने वाले वर्णों के साथ जोड़कर नहीं लिखा जाता। इसलिए इन्हें अयोजक कहा जाता है

ध्वनि	नाम	वर्ण
र	रे	ر
ड़	ड़े	ڑ
ज़	ज़े	ز
झ़	झ़े (अंग्रेज़ी के शब्द विज़न vision की तरह)	ژ

नोटः– देखें कि **अलिफ़** ا को मद ٓ की सहायता से प्रारंभिक स्थान पर कैसे लिखा जाता है।

آ

नीचे दिए गए उदाहरणों में दीर्घ स्वर के रूप में **अलिफ़** ا को शब्द के शुरू, बीच और अंत में रे ر समूह के वर्णों वाले शब्दों में लिखा गया है।

अंत	मध्य	आरंभ
آرا	راز	آڑ
आरा	राज़	आड़

नीचे दिए गए उदाहरणों में रे ر समूह के वर्णों का प्रयोग शब्द के शुरू, बीच और अंत में किया गया है

अंत	मध्य	आरंभ
آزار	آڑا	راز
आज़ार	आड़ा	राज़

शब्दावली

आरा	آرا
आड़	آڑ
आड़ा	آڑا
दुख (आज़ार)	آزار
राज़	راز

योजक और आयोजक वर्ण

अयोजक

क) योजक वे वर्ण हैं जिन्हें शब्द में अगले वर्ण के साथ जोड़ा जाता है। कुछ योजक दूसरे वर्णों के साथ सीधे तौर पर जुड़ते हैं जबकि बाक़ी योजक एक छोटी रेखा के रूप में जुड़ते हैं जिसे 'शोशा' कहा जाता है।

उर्दू एक रेखीय लिपि नहीं है यानी शब्द के सभी वर्ण एक के बाद एक रूप में नहीं जुड़ते। योजक वर्ण अक्सर एक–दूसरे के ऊपर या नीचे जुड़ते हैं। इसलिए शिक्षार्थियों को इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि वर्ण किस प्रकार जुड़ते हैं (शोशे के साथ और शोशे के बिना) और वे एक–दूसरे के साथ कहाँ जुड़ते हैं।

ख) अयोजक वे वर्ण हैं जो शब्द में आगे वाले वर्णों के साथ नहीं जुड़ते। हालाँकि अयोजक आगे वाले वर्णों के साथ कभी आपस में नहीं जुड़ते (चाहे योजक हों या अयोजक) मगर वे अपने से पहले वाले योजक के साथ अवश्य जुड़ते हैं। उर्दू वर्णमाला में 9 अयोजक हैं।

9 आयोजक वर्ण

ا-د-ڈ-ذ-ر-ڑ-ز-ژ-و

1. अलिफ़ (ا) 2. दाल (د) 3. डाल (ڈ)
4. ज़ाल (ذ) 5. रे (ر) 6. अड़े (ڑ)
7. ज़े (ز) 8. ज़्हे (ژ) 9. वाओ (و)

गृहकार्य

प्रश्न 1- रे समूह में कौन-कौन से वर्ण आते हैं?
प्रश्न 2- मद के प्रयोग से प्रारंभ, मध्य अंत मे करते हुए 1-1 शब्द बनाओ।
प्रश्न 3- रे समूह के वर्ण का प्रयोग से प्रारंभ, मध्य अंत मे करते हुए 1-1 शब्द बनाओ।
प्रश्न 4- योजक वर्ण किन्हें कहते है?
प्रश्न 5- आयोजक वर्ण किसे कहते हैं?

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

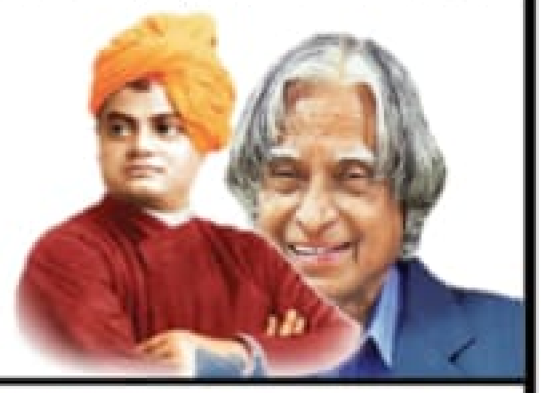

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 04

उर्दू (25 अप्रैल 2020)

आओ जाने→ दाल د समूह

दाल د समूह में तीन वर्ण हैं। ये तीनों वर्ण अयोजक हैं।

ध्वनि	वर्ण का नाम	वर्ण
द	दाल	د
ड	डाल	ڈ
ज़	ज़ाल	ذ

दाल د और रे ر समूह की आकृति के अंतर पर विशेष ध्यान दीजिए।

د	ر
ڈ	ڑ
ذ	ز

सभी अयोजकों की तरह **दाल** د समूह के वर्ण शब्द के आरंभिक, मध्य और अंतिम स्थान पर अपनी आकृति नहीं बदलते।

अंत	मध्य	आरंभ
داد	دادا	دار
दाद	दादा	दार

कुछ और उदाहरण

ڈار	دارا
डार	दारा

ध्यान देने वाली बातें -

— **आरंभिक स्थिति:** शब्द के शुरू में जहाँ वह अपने बाद वाले वर्ण से जुड़ता है।

— **मध्य स्थिति:** शब्द के बीच में, जहाँ वह अपने बाद वाले वर्ण से जुड़ता है।

— **अंतिम स्थिति:** शब्द के अंत में, जहाँ वह अपने से पहले वाले वर्ण के साथ जुड़ता है।

— जब वर्ण किसी भी तरफ़ (पहले या बाद में) किसी वर्ण से नहीं जुड़ते तब वे अपने पूरे रूप में या स्वतंत्र रूप में आते हैं। कुछ वर्ण शब्द के अंत में अपने पूरे रूप में आते हैं।

यहाँ जो नियम बताए गए हैं उनका मुख्य उद्देश्य केवल सामान्य दिशा–निर्देश देना है। आगे आने वाले पाठों में इन नियमों के बारे में विस्तार से एवं स्पष्ट रूप से बताया जाएगा।

कल के जवाब

प्रश्न 1- रे समूह में रे, अड़े, ज़े, ज़्हे कुल चार वर्ण आते हैं।

ر ڑ ز ژ

प्रश्न 2- मद के प्रयोग से प्रारंभ, मध्य अंत मे करते हुए 1-1 शब्द।

آڑا	راز
आड़ा	राज़

प्रश्न 3- रे समूह के वर्ण का प्रयोग से प्रारंभ, मध्य अंत मे करते हुए 1-1 शब्द -

अंत	मध्य	आरंभ
آرا	راز	آڑ
आरा	राज़	आड़

प्रश्न 4- जिनमे अगला वर्ण जुड़ सके, योजक वर्ण कहलाते हैं।

प्रश्न 5- जिनमे अगला वर्ण नही 1जुड़ सके, आयोजक वर्ण कहलाते हैं। इनकी संख्या 9 है।

1. अलिफ़ (ا) 2. दाल (د) 3. दाल (ڈ) 4. ज़ाल (ذ) 5. रे (ر) 6. अड़े (ڑ) 7. ज़े (ز) 8. ज़्हे (ژ) 9. वाओ (و)

गृहकार्य

प्रश्न 1- दाल समूह में कौन-कौन से वर्ण आते हैं?

प्रश्न 2- दाल समूह के वर्ण का प्रयोग से प्रारंभ, मध्य अंत मे करते हुए 1-1 शब्द बनाओ।

प्रश्न 3- दाल और रे के अंतर को समझते हुए दोनों वर्णों के अभ्यास करें।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

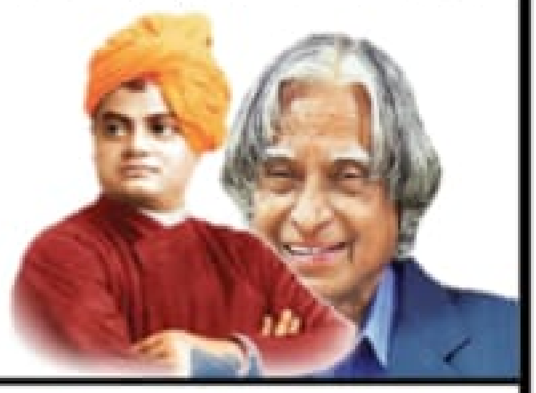

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 05

उर्दू (26 अप्रैल 2020)

आओ जाने→ वाओ و

वाओ و दो अलग ध्वनियों को दर्शाता है –

1) अर्ध स्वर के रूप में यह 'व' की आवाज़ देता है (जैसे हिंदी में **वर्षा**)।

2) दीर्घ स्वर के रूप में यह 'ओ' की आवाज़ देता है (जैसे हिंदी में **ओर, मोर, दो**)। 'ऊ' की आवाज़ (जैसे हिंदी में **ऊदा, सूना, आलू**) तथा 'औ' की आवाज़ (जैसे हिंदी में **औरत, कौन, नौ**) देता है।

वाओ و एक अर्ध स्वर 'व' के रूप में

नीचे दिए गए उदाहरणों में **वाओ** वर्ण و व की आवाज़ देता है। इस बात पर ध्यान दीजिए कि शब्द के शुरू और बीच में वर्ण अपनी आकृति नहीं बदलते।

अंत	मध्य	आरंभ
वाओ (अंतिम रूपों के उदाहरण पाठ 19 में देखिए)	آواز आवाज़	وار वार

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि **वाओ** و **ओ, ऊ** तथा **औ** दीर्घ स्वर के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं।

वाओ و दीर्घ स्वर 'ओ' के रूप में

नीचे दिए गए उदाहरणों में **वाओ** و **ओ** ध्वनि को दर्शाता है। शब्द के शुरू, बीच और अंत में **ओ** की स्थिति पर ध्यान दीजिए।

अंत	मध्य	आरंभ
دو दो	روز रोज़	اور ओर

आगे दिए गए उदाहरण पर ध्यान दीजिए कि **वाओ** و को शब्द के शुरू में अलिफ़ की सहायता से किस प्रकार लिखा गया है।

वाओ و दीर्घ स्वर 'ऊ' के रूप में

दिए गए उदाहरणों में **वाओ** و ऊ की आवाज़ देता है। ध्यान दीजिए कि **उलटा पेश** ٗ का चिह्न – ऊ की आवाज़ दर्शाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है और इसे **वाओ** و के ऊपर लगाया जाता है।

अंत	मध्य	आरंभ
رُو रू	دُور दूर	اُودا ऊदा

वाओ و दीर्घ स्वर 'औ' के रूप में

दीर्घ स्वर 'औ' के लिए आगे वाले वर्ण पर ज़बर लगाया जाता है।

अंत	मध्य	आरंभ
رَو रौ	دَور दौर	اَور और

कुछ और उदाहरण

زور ज़ोर	آڑُو आड़ू	آزاد आज़ाद
آرزُو आरज़ू	روڈ रोड	ڈور डोर

शब्दावली

दाद	داد	दार	دار
दारा	دارا	दादा	دادا
रौ	رَو	डार	ڈار
वार	وار	ऊदा	اُودا
आवाज	آواز	दूर	دُور
आज़ाद	آزاد	रू	رُو
आड़ू	آڑُو	ओर	اور
ज़ोर	زور	रोज़	روز
डोर	ڈور	दो	دو
रोड	روڈ	और	اَور
आरज़ू	آرزُو	दौर	دَور

कल के जवाब

जवाब 1- दाल समूह में दाल (د) दाल (ڈ) ज़ाल (ذ) वर्ण आते हैं

जवाब 2-

अंत	मध्य	आरंभ
داد दाद	دادا दादा	دار दार

जवाब 3- दाल और रे के अंतर

गृहकार्य

सवाल 1- वाओ वर्ण हिंदी के किन-किन वर्णों के उच्चारण में प्रयोग किये जाते है? सभी के प्रारंभिक, मध्य और अंत मे प्रयोग के शब्द निर्माण कीजिये।

सवाल 2- वाओ के प्रयोग से बनने वाले शब्दावली को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर लिखें।

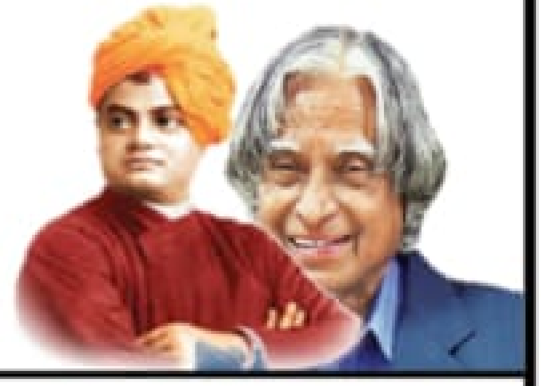

उर्दू (27 अप्रैल 2020)

आओ जाने→ लघु स्वर

आप आ آ, ओ او, ऊ اُو और **औ** اَو — ये चार स्वर सीख चुके हैं। इस पाठ में तीन लघु स्वर **'अ'**, **'इ'** और **'उ'** के बारे में बताया जाएगा। इन स्वरों को वर्ण के ऊपर और नीचे चिह्न लगाकर दर्शाया जाता है।

ـَ
ज़बर

ज़बर [ـَ] का प्रयोग वर्ण के ऊपर लघु स्वर **'अ'** (जैसे हिंदी **बल**) के लिए किया जाता है।

ـِ
ज़ेर

ज़ेर [ـِ] का प्रयोग लघु स्वर **'इ'** के लिए (हिंदी **गिर** की तरह) वर्ण के नीचे किया जाता है।

ـُ
पेश

पेश [ـُ] का प्रयोग लघु स्वर **'उ'** के लिए (हिंदी **पुल** की तरह) वर्ण के ऊपर किया जाता है।

नीचे दिए गए उदाहरणों में देखें कि ऊपर बताए गए लघु स्वरों को शब्द के शुरू में **अलिफ़** ا की मदद से दर्शाया जाता है। दूसरे शब्दों में, जब कोई शब्द स्वर से शुरू होता है तो शब्द के शुरू में **ज़बर, ज़ेर** या **पेश** के साथ **अलिफ़** का प्रयोग होता है।

अंत	मध्य	आरंभ
..	دَر	اَز
..	दर	अज़
..	رِدا	..
..	रिदा	..
..	دُر	اُردُو
..	दुर	उर्दू

ध्यान दें कि उर्दू में लघु स्वर (**ज़बर, ज़ेर और पेश**) जब शब्द के अंत में आते हैं तो उनका उच्चारण नहीं होता।

शब्द के शुरू में आने वाले सभी स्वरों को **अलिफ़** ا की मदद से लिखा जाता है। अब तक जिन स्वरों की चर्चा की गई है वे शब्द के शुरू में इस प्रकार लिखे जाएँगे :–

اُو	اَو	او	اُ	اِ	اَ	آ
ऊ	औ	ओ	उ	इ	अ	आ

कुछ और उदाहरण

अंत	मध्य	आरंभ
زَر	دَراز	ڈَر
ज़र	दराज़	डर
رَوا	وَر	ذَرا
रवा	वर	ज़रा

गृहकार्य

सवाल 1- ज़बर का प्रयोग किस लघु स्वर के लिए किया जाता है तथा इसको किस प्रकार से दर्शाते है?
सवाल 2- ज़ेर का प्रयोग किस लघु स्वर के लिए किया जाता है तथा इसको किस प्रकार से दर्शाते है?
सवाल 3- पेश का प्रयोग किस लघु स्वर के लिए किया जाता है तथा इसको किस प्रकार से दर्शाते है?
सवाल 4- स्वर से शुरू होने वाले शब्दों में सर्वप्रथम किस वर्ण को लगाया जाता है?
सवाल 5- स्वर से प्रारंभ होने वाले 5 शब्द बनाओ।

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 07

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

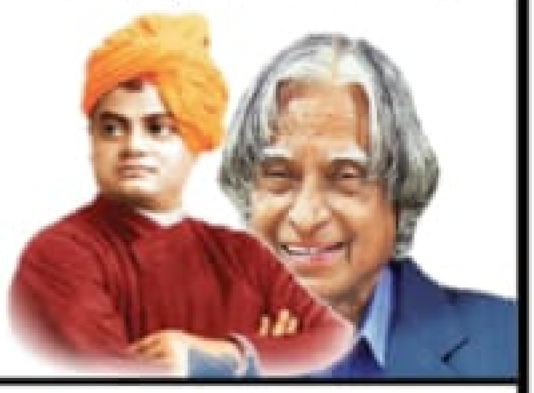

उर्दू (28 अप्रैल 2020)

आओ जानें→

ْ

जज़्म

जज़्म चिह्न का प्रयोग व्यंजन युग्म के लिए होता है। उदाहरण के लिए **दर्द** دَرْد शब्द में जज़्म का प्रयोग बताता है कि **रे** ر और अंतिम **दाल** د के बीच कोई स्वर नहीं है।

उदाहरण	अंत	मध्य	आरंभ
	وارْڈ	زَرْد	دَرْد
	वार्ड	ज़र्द	दर्द

शब्दावली

मोती	دُر	दरवाज़ा	دَر
स्वर्ण, सोना	زَر	से	اَز
दराज़	دَراز	चादर	رِدا
पीला	زَرْد	वर	وَر
पीड़ा, दुख	دَرْد	ज़रा	ذرا
		वार्ड	وارْڈ

जीम ج समूह

इस पाठ में **जीम** ج समूह के वर्णों के बारे में बताया जा रहा है। ये वर्ण 'योजक' हैं यानी शब्द लिखते समय इन वर्णों को आगे वाले वर्ण के साथ जोड़कर लिखा जाता है। इस बात पर ध्यान दें कि इन वर्णों के पूरे रूप और लघु रूप की आकृति समान है। केवल बिंदु लगाकर वर्णों में अंतर किया जाता है।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
جـ	ज	जीम	ج
چـ	च	चे	چ
حـ	ह	हे	ح
خـ	ख़	ख़े	خ

अन्य योजकों की तरह **जीम** ج समूह के वर्ण शब्द के शुरू और बीच में लघु रूप में लिखे जाते हैं तथा शब्द के अंत में पूरे रूप में लिखे जाते हैं। आगे दिए गए उदाहरण में इस बात पर ध्यान दें कि **अलिफ़** ا को किस तरह लघु रूप के साथ जोड़ा गया है। अलिफ़ एक सहज गति से नीचे से ऊपर की तरफ़ लिखा जाता है। उदाहरण –

ج + ا = جا

جارْج	جار	جاڑا	جا
जार्ज	जार	जाड़ा	जा
خار	چادَر	چار	راجا
ख़ार	चादर	चार	राजा

जैसे कि पहले चर्चा की जा चुकी है कि **अलिफ़** ا, **वाओ** و, **रे** ر समूह और **दाल** د समूह के वर्ण अयोजक हैं यानी ये शब्द में अपने आगे वाले वर्णों के साथ नहीं जुड़ते। उदाहरण के लिए इस बात पर ध्यान दें कि **वाओ** و **जीम** ج समूह के वर्णों के साथ किस तरह जुड़ता है।

چُورا	چَوڑا	چور	جوڑا	جو
चूरा	चौड़ा	चोर	जोड़ा	जो
	اَچار	آج	راجُو	حُور
	अचार	आज	राजू	हूर
	رِواج	رُخ	دُوج	رُوح
	रिवाज	रुख़	दूज	रूह

गृहकार्य

सवाल 1- जज़्म के प्रयोग हिंदी के किस रूप में होता है।

सवाल 2- ऐसे शब्द बनाओ जिनमे जज़्म का प्रयोग हो।

सवाल 3- जीम समूह में आने वाले वर्णों के नाम ध्वनि एवं लघु रूप लिखिए।

सवाल 4- अलिफ लगाकर जीम समूह के शब्द बनाओ।

सवाल 5- जीम समूह के शब्दों का निर्माण दाल और रे समूह के साथ करके कुछ शब्द बनाओ।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 08

उर्दू (29 अप्रैल 2020)

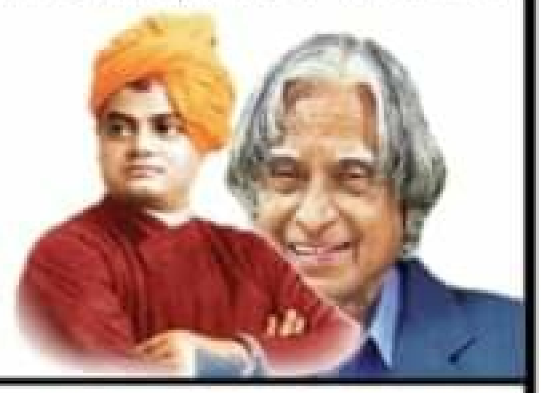

आओ जाने→ जीम ج समूह

(कल से आगे)

अयोजकों में, विशेष रूप से **रे** ر समूह और **दाल** د, समूह के वर्ण जब अपने से पहले वाले वर्णों के साथ जुड़ते हैं तो उनकी आकृति बदल जाती है।

दाल د समूह के वर्ण, जब अपने से पहले वाले वर्ण के साथ जुड़ते हैं तो उनका रूप इस प्रकार बदल जाता है –

अंत	मध्य	आरंभ
ﺪ	ﺪ	د

उदाहरण के तौर पर नीचे दिए गए शब्दों पर ध्यान दें और देखें कि **दाल** د समूह के वर्ण शब्द के बीच में और अंत में आने पर अपना रूप किस प्रकार बदलते हैं –

واحد	جُدا	خُدا	حد
वाहिद	जुदा	खुदा	हद

रे ر समूह के वर्ण जब अपने से पहले वाले वर्ण के साथ जुड़ते हैं तो उनका लघु रूप इस प्रकार होता है–

अंत	मध्य	आरंभ
ﺮ	ﺮ	ر

उदाहरण–

آخر	چرچ	خر	جڑ
आख़िर	चर्च	ख़र	जड़

नीचे दिए गए शब्दों की तुलना कीजिए और देखिए कि **दाल** د और **रे** ر समूह के वर्ण शब्द के बीच में आने पर जब अपने से पहले वाले सभूह के साथ जुड़ते हैं तो उनके लघु रूपों में अंतर होता है –

جڑا	جُدا
जुड़ा	जुदा

इस बात पर ध्यान दें कि **जीम** ج समूह के वर्ण अपने समूह के अन्य वर्णों के साथ किस तरह जुड़ते हैं।

جج	حج	چچا
जज	हज	चचा

कुछ और उदाहरण

دوزخ	خو	جو
दोज़ख़	ख़ू	जौ
چرخا	چرخ	خرچ
चरख़ा	चर्ख़	ख़र्च

शब्दावली

गधा	خر	जार्ज (नाम)	جارج
वाजिद (नाम)	واجد	काँटा	خار
नरक	دوزخ	परी	حور
आसमान	چرخ	सीमा	حد
		अकेला	واحد

गृहकार्य

सवाल 1- दाल समूह के वर्ण बीच या अंत पर आने पर अपना रूप किस प्रकार बदलते है?

सवाल 2- रे समूह के वर्ण बीच या अंत पर आने पर अपना रूप किस प्रकार बदलते है?

सवाल 3- जीम समूह अपने ही समूह पर किस प्रकार जुड़ते है?

सवाल 4- शब्दावली में आये शब्दो का उच्चारण लिखिते हुए उसके मायने लिखो।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न- 08

उर्दू (30 अप्रैल 2020)

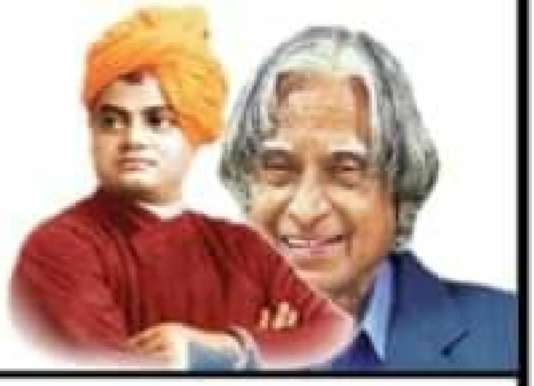

आओ जाने→ सीन س समूह

इस पाठ में दो वर्णों के बारे में बताया जा रहा है। ये वर्ण आकृति में तो एक जैसे होते हैं लेकिन बिंदु लगाकर उनमें अंतर किया जाता है।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
سـ	स	सीन	س
شـ	श	शीन	ش

उदाहरण–

روٗس रूस	داس दास	دَس दस	اُس उस	آس आस
جاسوٗس जासूस	جوش जोश	رَوِش रविश	راس रास	اوس ओस
شاد शाद	سارا सारा	سارَس सारस	سَرد सर्द	ساس सास
	شَرَر शरर	سَزا सज़ा	آسرا आसरा	سَدا सदा
	شوخ शोख़	سَچ सच	سوٗرج सूरज	خَراش ख़राश

सीन س और शीन ش इस तरह भी लिखे जाते हैं।

सीन س ओर शीन ش दोनों को किसी भी तरीक़े से लिखा जा सकता है।

خَراش / خَرَش سَزا / سَزا

कुछ और उदाहरण

وَرزِش वर्ज़िश	سَرحَد सरहद	شَشدَر शशदर	سُسَر सुसर
شور शोर	حَسَد हसद	حِس हिस	دَرس दर्स

ّ

तशदीद

इस चिह्न को **तशदीद** ّ कहा जाता है। इसे उन वर्णों के ऊपर लगाया जाता है जिन्हें दो बार बोला जाता है। जैसे हिंदी के कच्चा, छुट्टी, पक्का, चम्मच शब्द। आइए नीचे दिए गए उदाहरण से यह समझने की कोशिश करते हैं कि इस तरह के शब्दों में तशदीद का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है –

سَچّا = ا + چ + چ + س

सच्चा

ऊपर दिए गए शब्द में चे چ च का उच्चारण दो बार हो रहा है। शब्द लिखते समय एक चे چ लिखा नहीं जाता और इस वर्ण के ऊपर तशदीद का चिह्न लगा दिया जाता है।

سَجّاد सज्जाद	حَسّاس हस्सास	رَسّا रस्सा	اَڈّا अड्डा

गृहकार्य

सवाल 1- निम्नलिखित शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित मायने लिखो।

पाठ	دَرس	पसंद	راس
इंद्रिय	حِس	ढंग	رَوِش
ईर्ष्या	حَسَد	चिंगारी	شَرَر
ऊंची आवाज़	شور	खरोंच	خَراش
संवेदनशील	حَسّاس	चंचल	شوخ
सीमा	سَرحَد	चकित	شَشدَر
		कसरत	وَرزِش

सवाल 2- सीन समूह के सभी वर्ण उनका नाम ध्वनि लिखते हुए उसके लघु रूप एवं उदाहरण लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

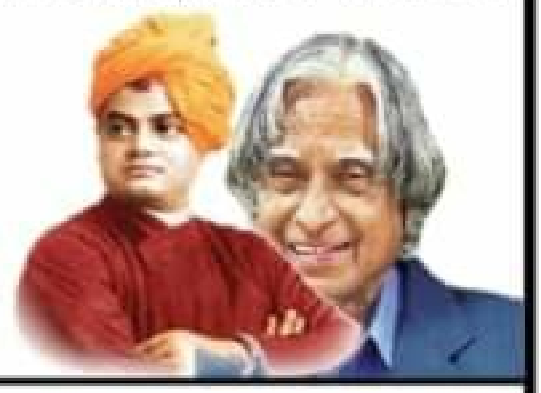

उर्दू (01 मई 2020)

आओ जाने→ स्वाद ص समूह

इस समूह में दो वर्ण हैं जिनमें बिंदु के ज़रिये अंतर किया जाता है। ध्यान दें कि **सीन** س और **स्वाद** ص का उच्चारण एक जैसा होता है यह हिंदी शब्द 'सुख' की तरह 'स' की आवाज़ देता है।

ज़्वाद ض का उच्चारण ذ और ز वर्णों की तरह होता है और यह 'ज़' ز की आवाज़ देता है।

स्वाद ص समूह के वर्णों का प्रयोग अक्सर अरबी मूल के शब्दों में होता है।

उदाहरण

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
صـ	स	स्वाद	ص
ضـ	ज़	ज़्वाद	ض

कुछ और उदाहरण

صَدا सदा	صَدر सद्र	ضَروُر ज़रूर
حاضِر हाज़िर	حُضوُر हुज़ूर	ضِد ज़िद

इस बात पर ध्यान दें कि **स्वाद** ص और **ज़्वाद** ض समूह के वर्णों के लघु रूप जब **रे** ر समूह के साथ जुड़ते हैं तो उन्हें शोशे के बिना लिखा जाता है। लघु रूप को जोड़ने वाली लाइन/रेखा को शोशा कहा जाता है। अन्य स्थितियों में या ऊपर दिए गए उदाहरणों में लघु रूप को जोड़ने वाली रेखा (शोशा) आवश्यक है।

उदाहरण

ضَرَر ज़रर	اِصرار इसरार	ضَروُر ज़रूर

नीचे दिए गए उदाहरणों को पढ़ें। इस बात पर ध्यान दें कि ये शब्द उच्चारण की दृष्टि से एक जैसे हैं लेकिन इनके अर्थ अलग–अलग हैं।

صَدا सदा = आवाज़	سَدا सदा = हमेशा

गृहकार्य

सवाल 1- निम्नलिखित शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित मायने लिखो।

अध्यक्ष	صَدر
सौ	صَد
व्यक्ति	شَخص
आग्रह	اِصرار
नुक़सान	ضَرَر
धरती	اَرض
हमेशा	سَدا

सवाल 2- स्वाद समूह के सभी वर्ण उनका नाम ध्वनि लिखते हुए उसके लघु रूप एवं उदाहरण लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

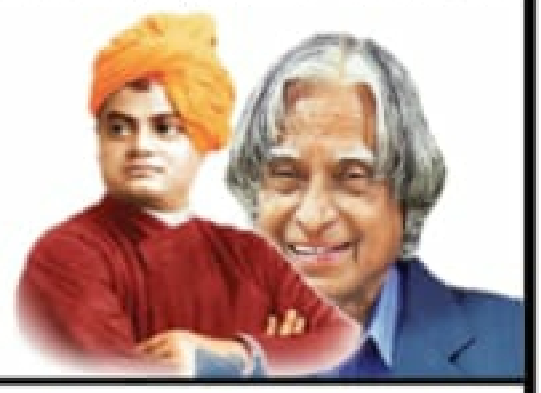

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (02 मई 2020)

आओ जाने→ फ़े ف समूह

फ़े ف समूह के वर्णों के अपने–अपने पूरे रूप हैं। इन वर्णों के लघु रूप एक समान हैं। इन वर्णों के लघु रूपों में केवल बिंदुओं की संख्या का अंतर है। फ़े पर एक बिंदु लगता है जबकि क़ाफ़ पर दो बिंदु लगाए जाते हैं।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ग
ف	फ़	फ़े	ف
ق	क़	क़ाफ़	ق

उच्चारण पर टिप्पणी – इस बात पर ध्यान दें कि क़ाफ़ ق पश्च कंठ्य ध्वनि है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि गले के जिस हिस्से से 'क' बोला जाता है, उससे भी पीछे जाकर 'क़' बोला जाता है। आप जानते ही हैं कि हिंदी में उर्दू की कुछ ध्वनियों को नुक्ता लगाकर दिखाया जाता है। जैसे क़ ख़, ग़, ज़, फ़। फ़ और क़ उन्हीं में से दो ध्वनियाँ हैं जिनका उच्चारण हिंदी के 'फ' और 'क' से भिन्न है।

उदाहरण

अंत	मध्य	आरंभ
حَرف हर्फ़	وَفا वफ़ा	فَرق फ़र्क़
وَرَق वरक़	وَقت वक़्त	قاش क़ाश

कुछ और उदाहरण

فَرار फ़रार	فَوج फ़ौज	اُف उफ़
قَدر क़द्र	قَرار क़रार	قَد क़द
چاقو चाक़ू	فِراق फ़िराक़	صِرف सिर्फ़
اَفسَر अफ़सर	فَرض फ़र्ज़	سَفَر सफ़र

गृहकार्य

सवाल 1- निम्नलिखित शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित मायने लिखो।

वर्ण (अक्षर)	حَرف	मुस्लिम कैलेंडर के एक महीने का नाम	صَفَر
पन्ना, परत	وَرَق	फाँक	قاش
आराम	قَرار	गरिमा	وقار

सवाल 2- फे समूह के सभी वर्ण उनका नाम ध्वनि लिखते हुए उसके लघु रूप एवं उदाहरण लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

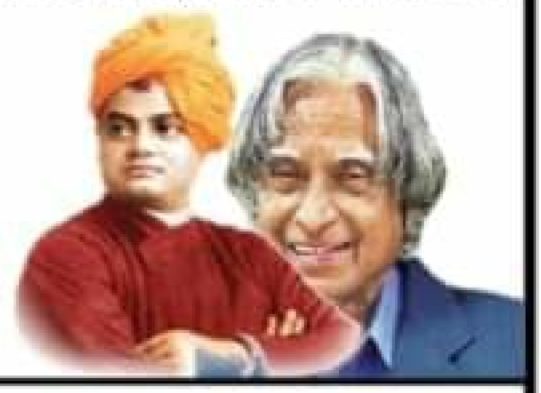

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (03 मई 2020)

आओ जाने→

लाम ل और मीम م

लाम ل और मीम م दो अलग अलग वर्ण हैं। इन दोनों के आकार भिन्न हैं, हालाँकि इन्हें यहाँ एक साथ लिया गया है लेकिन इन्हें एक समूह के वर्ण के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
ﻟ	ल	लाम	ل
ﻣ	म	मीम	م

उदाहरण

अंत	मध्य	आरंभ
سِل सिल	اَلِف अलिफ़	لاڈ लाड़
اَفسَر अफ़सर	فَرض फ़र्ज़	سَفَر सफ़र

उर्दू वर्णमाला का परमर्रागत क्रम →

ا

ب پ ت ٹ ث

ج چ ح خ

د ڈ ذ

ر ڑ ز ژ

س ش

ص ض

ط ظ

ع غ

ف ق

ک گ

ل م

ن

و

ہ

ء

ی

ے

गृहकार्य

सवाल 1- निम्नलिखित शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित मायने लिखो।

वर्ण (अक्षर)	حَرف	मुस्लिम कैलेंडर के एक महीने का नाम	صَفَر
पन्ना, परत	وَرَق	फाँक	قاش
आराम	قَرار	गरिमा	وقار

सवाल 2- मीम और लाम वर्ण के नाम ध्वनि लिखते हुए उसके लघु रूप एवं उदाहरण लिखो।

सवाल 3- उर्दू वर्णमाला को परमर्रागत क्रम से लिखने का अभ्यास करें।

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (04 मई 2020)

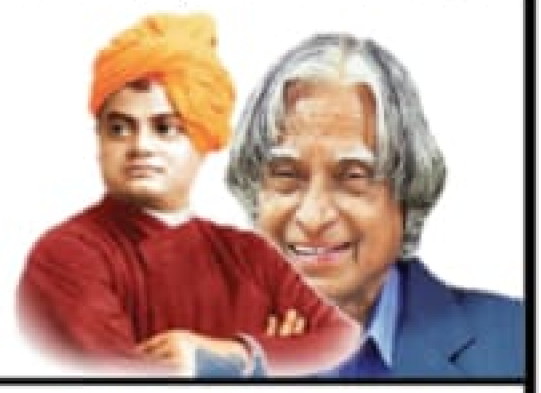

आओ जाने→ काफ़ ک समूह

इस बात पर ध्यान दें कि काफ़ ک का पहला लघु रूप ک तब इस्तेमाल किया जाता है जब उस वर्ण के बाद अलिफ़ ا और लाम ل आता है। दूसरा लघु रूप ک बाक़ी वर्णों के साथ लिखा जाता है।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
کـ / کـ	क	काफ़	ک
گـ / گـ	ग	गाफ़	گ

काफ़ ک समूह के लघु रूपों का प्रयोग ध्यान से देखें:

उदाहरण

کام	کر
काम	कर

अंत	मध्य	आरंभ
شک शक	مکّا मुक्का	کام काम
فکر फ़िक्र - चिन्ता	شکل शक्ल - सूरत	کل कल
جگ जग	سگار सिगार -	گال गाल

कुछ और उदाहरण

راگ राग	ڈاک डाक	آگ आग
گول गोल	گم गुम	ادرک अदरक

ملک मुल्क	کمر कमर	لوگ लोग
ساگ साग	چوک चौक	کالا काला

इस बात पर ध्यान दें कि ک और گ को एक रेखा के द्वारा पहचाना जाता है जिसे मरकज़ कहते हैं। सबसे पहले वर्ण का मूल रूप लिखा जाता है, ب उसके बाद उस वर्ण के ऊपर दाएँ से बाईं तरफ़ मरकज़ (तिरछी लकीर) लगाया जाता है। ک में एक मरकज़ होता है और گ में दो मरकज़ होते हैं।

گ ک ب
ک ب

गृहकार्य

सवाल 1- निम्नलिखित शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित मायने लिखो।

راگ ڈاک آگ

گول گم ادرک

ملک کمر لوگ

ساگ چوک کالا

सवाल 2- काफ समूह के सभी वर्ण उनका नाम ध्वनि लिखते हुए उसके लघु रूप एवं उदाहरण लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (05 मई 2020)

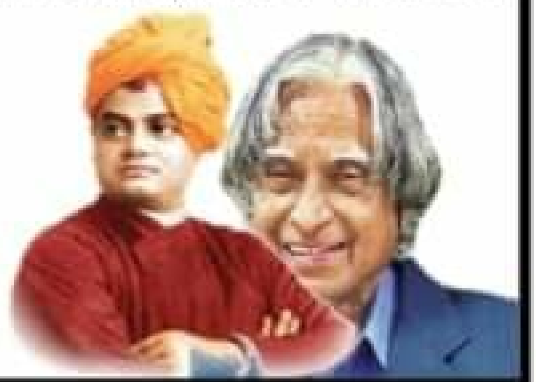

आओ जाने→ बे ب समूह

बे ب समूह के वर्णों के तीन लघु रूप हैं। इन्हें शब्द के शुरू में और बीच में इस्तेमाल किया जाता है। इस पाठ में उनके विशिष्ट प्रयोगों के बारे में चर्चा की जा रही है।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
ﺑ / ﺑ / ﺑ	ब	बे	ب
ﭘ / ﭘ / ﭘ	प	पे	پ
ﺗ / ﺗ / ﺗ	त	ते	ت
ﭨ / ﭨ / ﭨ	ट	टे	ٹ
ﺛ / ﺛ / ﺛ	स	से	ث

लघु रूपों के प्रयोग

बे ب समूह के तीन लघु रूपों को इस प्रकार लिखा जाता है –

(i) ﺑ यह लघु रूप तब इस्तेमाल किया जाता है जब बे ب समूह के वर्ण के बाद **अलिफ़, दाल** د समूह के वर्ण, रे ر समूह के वर्ण, **काफ़** ک समूह के वर्ण तथा **बे** ب समूह के अन्य वर्ण आते हैं।

उदाहरण के लिए नीचे दिए गए शब्दों को देखा जा सकता है।

بکرا	پر	پتلا	بارش
बकरा	पर	पतला	बारिश

ﺑ

(ii) लघु रूप का इस्तेमाल तब किया जाता है जब **बे** ب समूह के वर्णों के बाद **सीन** س **स्वाद** ص और फे ف समूह के वर्ण आएँ। इसके अलावा जब **बे** ب समूह के वर्ण के बाद **छोटी ये** ی, **बड़ी ये** ے, ऐन ع तथा **तोए** ط समूह के वर्ण (जिनकी चर्चा अगले पाठों में की जाएगी) आएँ, तब भी इस लघु रूप का इस्तेमाल होता है।

उदाहरण के लिए नीचे दिए गए शब्दों पर ध्यान दें।

بس	پوتا	توپ
बस	पोता	तोप

ﺑ

(iii) तीसरे लघु रूप का इस्तेमाल तब किया जाता है जब **बे** ب समूह के वर्ण के बाद **जीम** ج **मीम** م वर्ण आएँ और **छोटी हे** ہ तथा **दो चश्मी हे** ھ आएँ। इन वर्णों के बारे में बाद के पाठों में चर्चा की जाएगी।

بخار	بم
बुख़ार	बम

ध्यान दें कि **सीन** س, **स्वाद** ص और **से** ث का उच्चारण एक जैसा है। ये तीनों 'स' की आवाज़ देते हैं। जैसे हिंदी के सच, मौसम, रस आदि शब्द।

इन शब्दों को कॉपी में लिखकर 5 बार अभ्यास करें।

अंत	मध्य	आरंभ
کب कब	خبر ख़बर	بکرا बकरा
جواب जवाब	آبشار आबशार	بس बस
سبب सबब	صبح सब्ह	بم बम
گپ गप	چپّل चप्पल	پاس पास
روپ रूप	آپس आपस	پوپ पोप

गृहकार्य

सवाल 1- बे समूह के वर्णों को लिखकर उनके नाम ध्वनि लघु रूप लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

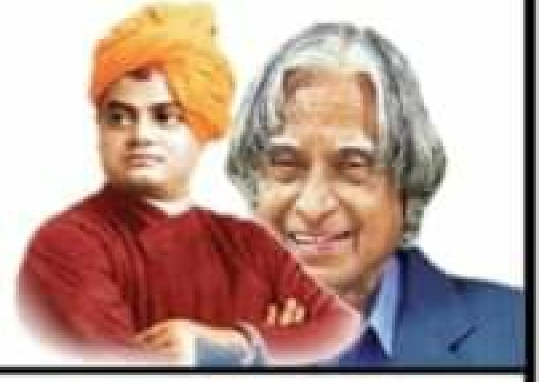

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (06 मई 2020)

निम्नलिखित शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित लिखो।

سَخت सख़्त	سِتارا सितारा	تالا ताला
بُت बुत	اِتوار इतवार	تول तोल
وَقت वक़्त	ختم ख़त्म	تَخت तख़्त
چِمٹا चिमटा	لٹّو लट्टू	ٹَب टब
نَٹ नट	کٹورا कटोरा	ٹوکرا टोकरा
چاٹ चाट	چَٹَخ चटख़	ٹماٹَر टमाटर
ثَمَر समर	ثَواب सवाब	ثابِت साबित
دَولت दौलत	خَبَر ख़बर	بَچپَن बचपन
دوست दोस्त	بَدبُو बदबू	مُفت मुफ़्त
حُکومَت हुकूमत	اُستاد उस्ताद	دَوات दवात
بُخار बुख़ार	تلوار तलवार	اِقبال इक़बाल
اَسپَتال अस्पताल	رُخصَت रूख़सत	دَرَخت दरख़्त

गृहकार्य

दी हुई शब्दावली को पढ़ो और उच्चारण सहित उनके मायने लिखो।

शब्दावली

प्रस्थान	رُخصَت	कारण	سَبَب
पेड़	دَرَخت	मूर्ति	بُت
संपन्नता	اِقبال	फल	ثَمَر
सुबह	صبح	पुण्य	ثَواب
झरना	آبشار	शासन	حُکومَت
		शिक्षक	اُستاد

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

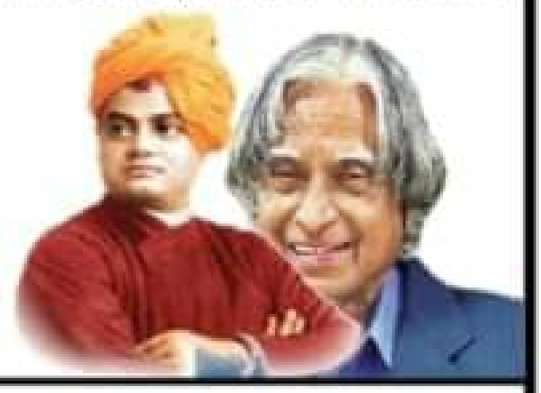

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (07 मई 2020)

नून ن

इस पाठ में **नून** ن वर्ण की चर्चा की गई है। **नून** ن के लघु रूप **बे** ب समूह के लघु रूपों की तरह होते हैं तथा ये उन्हीं के जैसे नियमों का पालन करते हैं।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
ـن / ـنـ / نـ	न	नून	ن

नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त **नून** ن के लघु रूपों की तुलना कीजिए।

نمک نوک نام

उदाहरण

अंत	मध्य	आरंभ
کان कान	جنّت जन्नत	ناک नाक
جان जान	اِنکار इनकार	نوک नोक
خوٗن ख़ून	جَنَم जनम	نمک नमक

कुछ और उदाहरण

اِنسان इन्सान	اَنجام अंजाम	نفرت नफ़रत
بدن बदन	صابن साबुन	تمنّا तमन्ना

नुन ग़ुन्ना ں

जैसा कि आप जानते हैं, हिंदी में स्वरों को अनुनासिक (बोलते समय नाक से आवाज़ निकलना) तरीके से भी बोला जाता है। जैसे आँख, गईं, पहुँचा, ऊँट, गोंद, गेंद, कौंधना, मैं आदि। इसी तरह उर्दू के स्वरों की अनुनासिकता को नीचे दिए तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

अंत	मध्य
ں	ـنٔـ

जैसा कि पहले दर्शाया गया है, अगर अनुनासिकता शब्द के बीच में आती है तो उलटे जज़्म के साथ नून ن के लघु रूपों का इस्तेमाल किया जाता है। यदि अनुनासिकता शब्द के अंत में आती है तब नून ں बिना बिंदु के इस्तेमाल किया जाता है।

अंत	मध्य
ماں माँ	بانس बाँस
جواں जवाँ	سانس साँस

स्वर से शुरू होने वाले सभी शब्द **अलिफ़** ا के साथ लिखे जाते हैं। यह नियम अनुनासिक स्वरों पर भी लागू होता है। इस बात को समझने के लिए दिए गए उदाहरणों को ध्यान से पढ़िए।

उदाहरण

آنگن आँगन	اونچا ऊँचा	اونٹ ऊँट
اِنچ इंच	آنچ आँच	آنسو आँसू
اَنگور अंगूर	آنت आँत	اَنبار अंबार

गृहकार्य

सवाल 1- दिए हुए शब्दों का उच्चारण और उसके मायने लिखो।

जवान	جواں	स्वर्ग	جنّت
ढेर	انبار	अंत	انجام
		इच्छा	تمنّا

सवाल2 - इस पाठ में आये शब्दो को पढ़ो और अपनी नोटबुक में उच्चारण सहित लिखो।

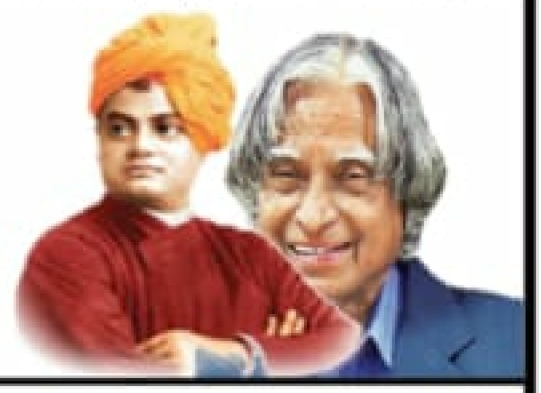

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (08 मई 2020)

छोटी ये ی और बड़ी ये ے

इस पाठ में जिन वर्णों के बारे में बताया जा रहा है वे दीर्घ स्वर और अर्ध स्वर – दोनों रूपों में कार्य करते हैं। इन दोनों वर्णों के लघु रूपों पर अधिक ध्यान देने की ज़रूरत है क्योंकि ये शब्द के शुरू में बीच में, और अंत में अलग–अलग रूपों में इस्तेमाल होते हैं।

1) **छोटी ये** ی वर्ण **'ई'** स्वर (हिंदी में ईख, नीम, गई) तथा अर्ध स्वर **य** (हिंदी में यमुना, दिया) की आवाज़ देता है। जब **छोटी ये** ی **'ई'** के लिए इस्तेमाल की जाती है और दूसरे वर्णों के साथ जुड़ती है तो इसके लघु रूप में बिंदु के साथ खड़ा **ज़ेर** ◌ٖ लगाया जाता है।

2) **बड़ी ये** ے वर्ण दो भिन्न स्वरों की आवाज़ देती है – ए (हिंदी में एड़ी केला, मेला, में) तथा **ऐ** (हिंदी में ऐसा, मैला, पैसा।)

ए स्वर से अलग, जब बड़ी ये ے का इस्तेमाल **'ऐ'** के लिए किया जाता है तो पहले वाले वर्ण के ऊपर **ज़बर** ◌َ लगाया जाता है।

दी गई तालिका को ध्यान से पढ़िए। यह समझने की कोशिश कीजिए कि दिए गए वर्णों के संदर्भ में **छोटी ये** ی और **बड़ी ये** ے दोनों के लघु रूप उसी तरह बदलते हैं जिस तरह **बे** ب समूह के वर्ण बदलते हैं।

	लघुरूप	
अंत	मध्य	आरंभ
ـیـ	ـیـ	یـ

ध्वनि	नाम	वर्ण
य	छोटी ये	ی

छोटी ये के उदाहरण : अर्ध स्वर 'य' के रूप में

अंत	मध्य	आरंभ
*	دَیار दयार	یاد याद
	کیوڑا केवड़ा	یَوم यौम
	پیار प्यार	یَمَن यमन

* अर्ध स्वर 'य' के रूप में **छोटी ये** ی का इस्तेमाल शब्द के अंत में नहीं किया जाता।

छोटी ये ی **के उदाहरण दीर्घ स्वर 'ई' के रूप में**

अंत	मध्य	आरंभ
بَستی बस्ती	تین तीन	ایثار ईसार
دادی दादी	جیوَن जीवन	ایشوَر ईश्वर
بجلی बिजली	نیم नीम	ایجاد ईजाद

बड़ी ये ے **के उदाहरण दीर्घ स्वर 'ए' के रूप में**

अंत	मध्य	आरंभ
اُجالے उजाले	دینا देना	ایک एक
نیچے नीचे	دیش देश	ایشیا एशिया
بڑے बड़े	بیچنا बेचना	ایجنٹ एजेंट

दीर्घ स्वर 'ऐ' के रूप में बड़ी ये ے

अंत	मध्य	आरंभ
مَے मै	مَینا मैना	اَیٹم ऐटम
شَے शै	جَیسا जैसा	اَیسا ऐसा
لَے लै	پَیمان पैमान	اَیمن ऐमन

गृहकार्य

सवाल 1- छोटी ए और बड़ी ए किन किन मात्राओं में प्रयोग किया जाता है?

सवाल 2- छोटी ए और बड़ी ए के लघु रूप तीनो स्थितियों में लिखिए।

सवाल 3- पाठ में आये शब्दों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

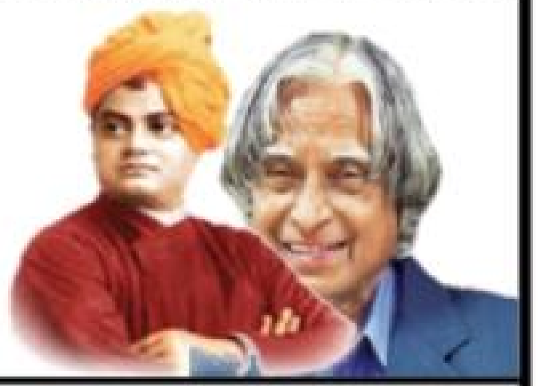

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (11 मई 2020)

ऐन ع समूह

'ऐन' ع समूह अपने आप में विशिष्ट है। उसकी विशिष्टता यह है कि इस समूह का पहला वर्ण 'ऐन' ع किसी भी स्वर की आवाज़ दे सकता है। इस समूह का दूसरा वर्ण 'ग़ैन' غ एक व्यंजन है जो 'ग़' की आवाज़ देता है।

लघु रूप	ध्वनि	नाम	वर्ण
ع		ऐन	ع
غ	ग़	ग़ैन	غ

उच्चारण पर टिप्पणी – 'ग़ेन' एक غ ''सघोष कंठ्य संघर्षी'' ध्वनि है। इस ध्वनि का उच्चारण जीभ के पिछले हिस्से से होता है। ग़ बोलते समय जीभ गले के ऊपरी रास्ते को लगभग बंद कर देती है। जैसा कि पाठ 7 में बताया जा चुका है, ज – ज़ और फ – फ़ की तरह ग और ग़ में अंतर है।

इन वर्णों के लघु रूप शब्द के शुरू, बीच और अंत में भिन्न–भिन्न हैं।

अंत	मध्य	आरंभ
مَنَع	بَعد	عام
मना	बाद	आम
تیَغ	بَغَل	غَم
तेग़	बग़ल	ग़म

ध्यान दें कि शब्द के अंत में जब ऐन ع समूह के वर्णों से पहले योजक आते हैं तब इस अंतिम स्थान वाले लघु रूप ع का इस्तेमाल किया जाता है। जब ऐन ع समूह के वर्ण से पहले अयोजक आता है तब वर्ण का पूरा रूप इस्तेमाल किया जाता है।

उर्दू में ऐन ع वर्ण का उच्चारण शब्द के अन्य स्वरों के साथ मिलाकर किया जाता है। यह प्रायः पहले या बाद वाले स्वर के साथ मिल जाता है।

उदाहरण

عَورَت	عید	عادَت
औरत	ईद	आदत
عَقل	عَیش	عِراق
अक़्ल	ऐश	इराक़
شِعر	عُرف	عَرَب
शेर	उर्फ़	अरब
شُروع	جَعلی	مُعَمّا
शुरू	जाली	मोअम्मा

गृहकार्य

सवाल 1- एन समूह के वर्ण उनके उच्चारण एवं लघुरूप लिखते हुए तीनो स्थानों पर प्रयोग करते हुए शब्द बनाओ।

सवाल 2- दिए गए अभ्यास के शब्दों को अपनी कॉपी पर लिखकर अभ्यास करो।

सवाल 3- दिए हुए शब्दों का उच्चारण और उसकी मायने लिखो।

भाग्यवान	اَیمَن	निस्वार्थता	ایثار
चीज़	شَے	दृश्य	دید
लय	لَے	आविष्कार	ایجاد
प्यार	پیار	शराब	مَے
		प्रतिज्ञा	پیمان
अरब (का)	عَرَب	बग़ल	بغل
पहेली	مُعَمّا	तलवार	تیغ
नक़ली	جَعلی	एक देश का नाम	عراق
दीपक	شَمع	(उर्दू ग़ज़ल में) पद	شِعر

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (12 मई 2020)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

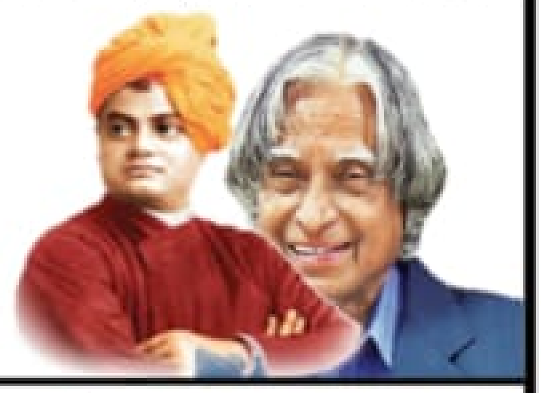

हम्ज़ा ء

हम्ज़ा ء का इस्तेमाल एक साथ आने वाले दो स्वरों के लिए किया जाता है। **हम्ज़ा** ء हमेशा दूसरे स्वर की तरफ़ संकेत करता है। अपवाद स्वरूप कुछ को छोड़कर यह हमेशा **बे** ب समूह के किसी भी लघु रूप के ऊपर लगता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि **हम्ज़ा** ء को लघु रूप की सहायता से लिखा जाता है।

	लघु रूप
غائب ग़ाइब	ٮ
آئی आई	ر
رائج राइज	ـــ

ऊपर दिए गए उदाहरणों में इस बात पर ध्यान दें कि **हम्ज़ा** ء को पाठ 10 में बताए गए नियम के अनुसार किस प्रकार शब्द के बीच में लघु रूप के ऊपर लिखा जाता है। **उदाहरण**

گئو
गऊ

यहाँ **वाओ** و से पहले योजक वर्ण **गाफ़** گ आया है।

स्वरों के क्रम की उपस्थिति को दर्शाने के लिए उनके बीच में लघु रूप **हम्ज़ा** ء का निशान लगाया जाता है।

तुलना कीजिए

گو
गो

यहाँ वाओ و गाफ़ گ के साथ मिलता है। लघु रूप के साथ हम्ज़ा ء का न होना यह दर्शाता है कि यहाँ केवल एक स्वर है।

जिन शब्दों में **वाओ** و **छोटी ये** ی और बड़ी ये ے से पहले अयोजक आते हैं, वहाँ **हम्ज़ा** ء को बिना किसी लघु रूप के दूसरे स्वर के ऊपर लगाया जाता है।

उदाहरण

آئی आई	چارپائی चारपाई	آؤ आओ	گاؤ गाओ

कुछ और उदाहरण

آئیں आएँ	آئے आए	چائے चाए
جائیے जाइए	روئیے रोइए	سوئیے सोइए
ممبئی मुंबई	دوائی दवाई	جائز जाइज़
گئی गई	کئی कई	تئیس तेईस
نئے नए	گئے गए	مئی मई

गृहकार्य

सवाल 1- हम्जा का प्रयोग कहाँ करते है?

सवाल 2- हम्जा का प्रयोग करके कुछ शब्दों का निर्माण करो।

सवाल 3- दिए हुए वाक्यों को लिख कर उसका उच्चारण लिखो।

प्रचलित	رائج	जायज़/वैध	جائز
		ग़ायब	غائب

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

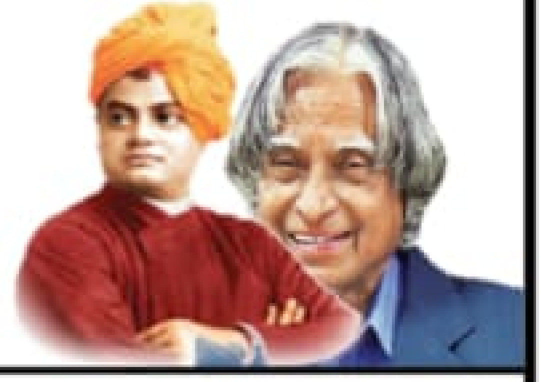

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (13 मई 2020)

छोटी हे ہ

इस पाठ में **छोटी हे ہ** वर्ण के बारे में चर्चा की गई है। यह व्यंजन एवं स्वर दोनों को दर्शाता है। व्यंजन के रूप में इसका उच्चारण **'ह'** (हिंदी में हरियाली, हाल) की तरह किया जाता है। स्वर के रूप में इसका उच्चारण **'अ'** और **'ए'** की तरह होता है।

ध्वनि	**नाम**	**वर्ण**
ह एवं अ, ए	छोटी हे	ہ

लघु रूप

अंत	**मध्य**	**आरंभ**
ـہ	ـہـ	ھـ / ہـ

उदाहरण

अंत	**मध्य**	**आरंभ**
جگہ	نہر	ہل
जगह	नहर	हल

शब्द के शुरू में लघु रूप ہـ का इस्तेमाल **अलिफ़** ا, **दाल** د, समूह, **रे** ر, समूह, **काफ़** ک, समूह और **लाम** ل, के साथ किया जाता है।

बाक़ी वर्णों के साथ दूसरे लघु रूप ھـ का इस्तेमाल किया जाता है। ध्यान रखें कि **छोटी हे** ہ तथा **हे** ح का उच्चारण (जिसकी चर्चा पाठ 4 में की गई है) **'ह'** ध्वनि के लिए समान रूप से किया जाता है। **तुलना कीजिए**

ہل	حَل
हल	हल
(खेत जोतने का औज़ार)	(समाधान)

स्वर के रूप में छोटी हे ہ

स्वर के रूप मे **छोटी हे ہ** का उच्चारण केवल शब्द के अंत में किया जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि शब्द के अंत में आने वाले **छोटी हे ہ** के लघु रूप का इस्तेमाल स्वर की तरह किया जाता है। ऐसे में लघु रूप के नीचे आने वाले हुक का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

तुलना

کہ	کہہ
के	कह

स्वर के रूप में **छोटी हे** ہ का **'अ'** लघु स्वर के तौर पर इस्तेमाल

ناغہ	نغمہ	عُمدہ	پردہ
नागा	नग़मा	उम्दा	पर्दा

स्वर के रूप में छोटी हे ہ का 'ए' के लिए इस्तेमाल

اگرچہ	چُنانچہ	تاکہ	بلکہ	کہ
अगरचे	चुनाँचे	ताके	बल्के	के

कुछ और उदाहरण

قِلعہ	غُنچہ	عہدہ
क़िला	गुंचा	ओहदा
ہمیشہ	جُمعہ	ذَریعہ
हमेशा	जुमा	ज़रिया
اَفریقہ	کولکتہ	پٹیالہ
अफ़्रीक़ा	कोलकता	पटयाला

गृहकार्य

सवाल 1- छोटी हे का प्रयोग कहाँ होता है?

सवाल 2- छोटी है का प्रयोग करके कुछ शब्दों का निर्माण करो।

सवाल3 - छोटी हे का लघुरूप लिखो।

सवाल4- निम्न शब्दो को कॉपी में उच्चारण सहित लिखो

बल्कि	بلکہ	नागा (काम से ग़ैरहाज़िर होना)	ناغہ
तो	چُنانچہ	बढ़िया	عُمدہ
हालाँकि	اگرچہ	गाना	نغمہ
कली	غُنچہ	गुब्बारा	غُبارہ
शुक्रवार	جُمعہ	कि	کہ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (14 मई 2020)

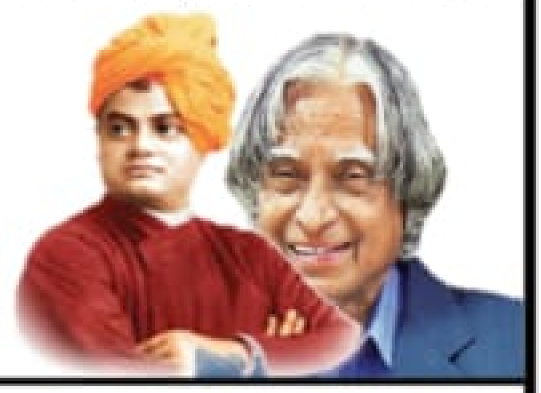

तोए ط और ज़ोए ظ

जैसा कि नीचे बताया गया है कि **तोए** ط और **ज़ोए** ظ जैसे वर्णों के उच्चारण जैसे और भी बहुत से वर्ण उर्दू में मौजूद हैं। उर्दू सीखने वालों को उर्दू के ऐसे शब्दों की सही वर्तनी को याद करना होगा जिनमें **तोए** ط और **ज़ोए** ظ जैसे समान ध्वनि वाले वर्णों का इस्तेमाल हुआ हो।

ध्वनि	नाम	वर्ण
त	तोए	ط
ज़	ज़ोए	ظ

उदाहरण

अंत	मध्य	आरंभ
خط	وطن	طاقت
ख़त	वतन	ताक़त
لفظ	نظر	ظالم
लफ़्ज़	नज़र	ज़ालिम

तोए ط और ज़ोए ظ का कोई लघु रूप नहीं है।

तोए वर्ण ط ते ت के समान बोला जाता है और ज़ोए ظ वर्ण ज़्वाद ض ज़ाल ذ और ज़े ز की तरह बोला जाता है।

उदाहरण :

نظر / نذر — नज़र / नज़्र

طین / تین — तीन/तीन

कुछ और उदाहरण

نقطہ	ظاہر	غلط
नुक्ता	ज़ाहिर	ग़लत
حفاظت	انتظام	تلفظ
हिफ़ाज़त	इंतज़ाम	तलफ़्फ़ुज़
دستخط	طریقہ	خطرناک
दस्तख़त	तरीक़ा	ख़तरनाक

गृहकार्य

सवाल 1- तोय समूह के वर्ण नाम और ध्वनि लिखो।

सवाल 2- तोय वर्ण को प्रयोग करके कुछ शब्दों का निर्माण करो।

सवाल3 - उदाहरण में आये शब्दों का अभ्यास करो

सवाल4- निम्न शब्दो को कॉपी में उच्चारण सहित लिखो।

शब्दावली

शब्द	لفظ	मातृभूमि	وطن
उच्चारण	تلفظ	चिट्ठी	خط
सुरक्षा	حفاظت	क्रूर	ظالم
हस्ताक्षर	دستخط	दृष्टि	نظر
तीन	تین	भेंट	نذر
ज़, फ़ आदि में लगने वाला बिंदु	نقطہ	मिट्टी	طین

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

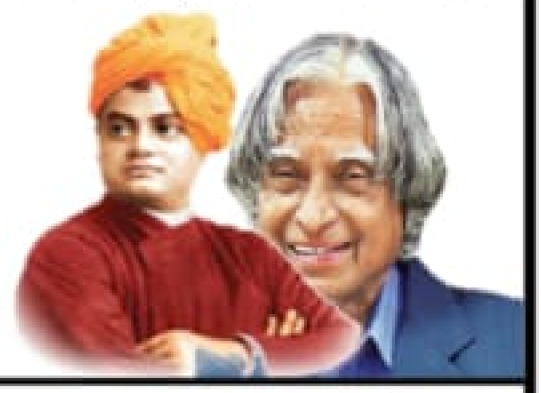

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (15 मई 2020)

दो चश्मी हे ھ

उर्दू में हिंदी की तरह महाप्राण व्यंजनों (ख, झ, थ, भ आदि) के लिए कोई अलग वर्ण नहीं है। महाप्राण व्यंजनों (जिनके बोलने में हवा ज़्यादा निकलती है) की तरफ़ संकेत करने के लिए वर्ण के साथ एक चिह्न लगाया जाता है जिसे **दो चश्मी हे** ھ कहा जाता है।

1) अयोजकों के साथ दो चश्मी हे ھ

ڑھ	ڈھ	دھ
ढ़	ढ	ध

उदाहरण رادھا

ध्यान दें कि **दो चश्मी हे** ھ दिए गए वर्णों के साथ किस प्रकार जुड़ता है जबकि वह पहले वर्ण के लिए महाप्राणत्व को संकेत करता है।

2) योजकों के साथ दो चश्मी हे ھ

दो चश्मी हे ھ साथ वाले वर्णों के साथ जुड़ता है और महाप्राणत्व को दर्शाता है।

बे ب, **जीम** ج, और **काफ़** ک समूह के वर्णों के महाप्राणत्व को किस तरीक़े से दर्शाया जाता है – इस बात पर ज़्यादा ग़ौर कीजिए।

क) **बे** ب समूह के वर्णों के महाप्राणत्व को निम्न तरीक़े से दर्शाया गया है–

फ پھ भ بھ

ठ ٹھ थ تھ

ख) **जीम** ج समूह के वर्णों के महाप्राणत्व को इस प्रकार दिखाया गया है– झ جھ

छ چھ

ग) **काफ़** ک समूह के वर्णों के महाप्राणत्व को इस प्रकार दिखाया गया है

घ گھ ख کھ

उदाहरण (इन वाक्यों को कॉपी में अभ्यास करो।)

अंत	मध्य	आरंभ
بُدھ बुध	اَندھا अंधा	دَھن धन
رادھا राधा	مونڈھا मोंढ़ा	ڈھول ढोल
مُجھ मुझ	بُجھنا बुझना	جَھنڈا झंडा
ریچھ रीछ	بَچھڑا बछड़ा	چھڑی छड़ी
پنکھ पंख	پنکھا पंखा	کھیر खीर
سونگھ सूँघ	کنگھا कंघा	گھڑی घड़ी
چُبھ चुभ	گوبھی गोभी	بھالو भालू
	گُپھا गुफा	پھول फूल
رَتھ रथ	ماتھا माथा	تھن थन
مَٹھ मठ	بیٹھنا बैठना	ٹھگ ठग

गृहकार्य

सवाल 1- दो चश्मी हे का प्रयोग किन जगहों में होता है। उदाहरण सहित लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

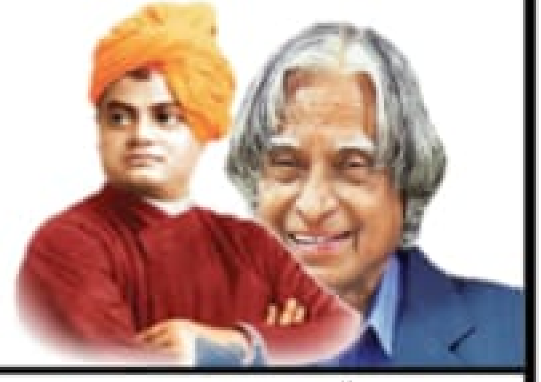

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (18 मई 2020)

इज़ाफ़त एक व्याकरणिक बिंदु है जो सामान्य रूप से 'संबंध' को दर्शाता है। उदाहरण के लिए यह **'का'** کا، کی، کے के अर्थ को बताता है। इसे तीन भिन्न चिह्नों द्वारा दर्शाया जाता है। तीनों चिह्नों को **'ए'** के रूप में उच्चरित किया जाता है।

1) इज़ाफ़त–ज़ेर ـِ

क) यदि समास शब्द (समस्त पद) की नियंत्रित संज्ञा (वह संज्ञा जो हमेशा पहले आती है) के अंत में व्यंजन वर्ण आता है तब पहले शब्द के अंतिम वर्ण के नीचे ज़ेर का चिह्न लगाया जाता है।

उदाहरण के लिए

دردِ دل — दर्दे – दिल

دل کا دَرد — दिल का दर्द

مَوجِ دَریا — मौजे – दरया

رازِ دِل — राज़े – दिल

عَرقِ گُلاب — अरक़े – गुलाब

شاخِ گُل — शाख़े – गुल

ख) यदि सामासिक शब्द की नियंत्रित संज्ञा के अंत में **एन** ع आता है तब **एन** ع के नीचे ज़ेर लगाया जाता है।

उदाहरण के लिए–

شمعِ محفِل — शमे – महफ़िल

محفِل کی شمع — महफ़िल की शमा

اِطّلاعِ عام — इत्तिलाए – आम

ग) यदि सामासिक शब्द की नियंत्रित संज्ञा के अंत में **छोटी ये** ی आती है तब **ज़ेर** को **छोटी** ये के नीचे लगाया जाता है।

उदाहरण के लिए

بیماریِ دِل — बीमारिये – दिल

دِل کی بیماری — दिल की बीमारी

کُرسیِ صَدارَت — कुर्सिये – सदारत

خوبیِ قِسمَت — ख़ूबीये – क़िस्मत

गृहकार्य

सवाल 1- इज़ाफ़त- ज़ेर किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाओ।

सवाल 2- यदि सामासिक शब्द की नियत्रित संज्ञा के अंत में एन आता है जब ज़ेर कैसे लगता है?

सवाल 3- यदि सामासिक शब्द की नियत्रित संज्ञा के अंत में छोटी ए आती है जब ज़ेर कैसे लगता है?

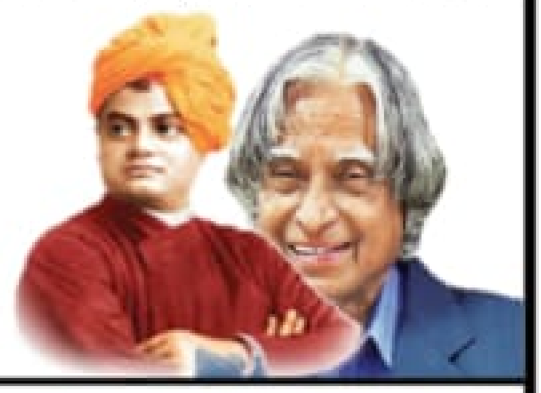

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (19 मई 2020)

2) इज़ाफ़त – हम्ज़ा ء

जब सामासिक शब्द की नियंत्रित संज्ञा के अंतिम वर्ण के ऊपर हम्ज़ा चिह्न लगाया जाता है तब उस चिह्न को **इज़ाफ़त – हम्ज़ा** कहा जाता है। **इज़ाफ़त – हम्ज़ा** तीन प्रकार का होता है।

क) यदि सामासिक शब्द की संज्ञा के अंत में **छोटी हे ہ** (स्वर के रूप में) आता है तब **हम्ज़ा** चिह्न को उस वर्ण के ऊपर लगाया जाता है।

نغمۂ شادی	नग़मए – शादी
شادی کا نغمہ	शादी का नग़मा
جذبۂ دِل	قطرۂ خون
जज़्बए–दिल	क़तरए–ख़ून

टिप्पणी – यदि संज्ञा का अंतिम वर्ण **छोटी हे ہ** (व्यंजन के रूप में) पर समाप्त होता है तब इज़ाफ़त – ज़ेर का इस्तेमाल किया जाता है।

उदाहरण ماہِ نَو – माहे–नौ, راہِ وفا – राहे–वफ़ा

ख) यदि सामासिक शब्द की पहली संज्ञा के अंत में **बड़ी ये ے** वर्ण आता है तब **हम्ज़ा ء** चिह्न का इस्तेमाल किया जाता है। **उदाहरण** شئے لطیف – शाए–लतीफ़

ग) यदि सामासिक शब्द की नियंत्रित संज्ञा के अंत में **अलिफ़** और **वाओ** वर्ण आते हैं तब **हम्ज़ा ء** के साथ **बड़ी ये ے** वर्ण जोड़ा जाता है।

उदाहरण

صدائے وطن	सदा–ए–वतन
وطن کی صدا	वतन की सदा

कुछ और उदाहरण

آبروئے وطن	بوئے گل	سزائے موت
आबरूए–वतन	बूए–गुल	सज़ाए–मौत

इस बात पर ध्यान दें कि कुछ छपी हुई सामग्री में अक्सर **बड़ी ये** ے के ऊपर **हम्ज़ा** का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

3) **अलिफ़–लाम का इज़ाफ़त** ال

अरबी के सामासिक शब्दों में पहले शब्द तथा नियंत्रित सामासिक संज्ञा के बीच में **अलिफ़ लाम** ال की इज़ाफ़त का इस्तेमाल किया जाता है।

क) **अलिफ़ लाम को न बोलना**

यदि सामासिक शब्द की नियंत्रित संज्ञा इन व्यंजनों से शुरू होती है, जैसे – **ते** ت, **तोए** ط, **दाल** د, **सीन** س, **से** ث, **स्वाद** ص, **ज़्वाद** ض, **ज़े** ز, **ज़ाल** ذ, **ज़ोए** ظ, **लाम** ل, **रे** ر और **नून** ن (इन्हें हुरूफ़–ए–शमसी حُروفِ شمسی भी कहा जाता है) तब इन वर्णों को दोहराया जाता है। साथ ही पहले शब्द के अंतिम वर्ण पर लघु स्वर **'उ'** के लिए **पेश** चिह्न लगाया जाता है। इस तरह के सामासिक शब्दों में **अलिफ़–लाम** का उच्चारण नहीं किया जाता।

उदाहरण دارُالسَّلطنت = سلطنت + ال + دار

दारुस–सल्तनत = सल्तनत + ال + दार

उदाहरण के लिए

سلطنت کی جگہ – सल्तनत की जगह (राजधानी)

عبدُاللہ	نظامُ الدّین
अब्दुल्लह	निज़ामुद–दीन

गृहकार्य

सवाल 1- इज़ाफ़त – हम्ज़ा कितने प्रकार के होते है?

सवाल 2- सभी उदाहरण को गौर से पढ़ो और कॉपी पर अभ्यास करो।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

उर्दू (20 मई 2020)

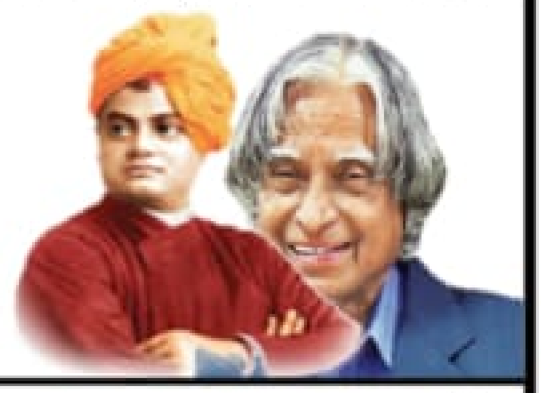

ख) अलिफ़ को न बोला जाए और लाम को बोला जाए

यदि सामासिक शब्द की नियंत्रित संज्ञा (दूसरा शब्द) बाक़ी व्यंजनों से शुरू होती है, जैसे **अलिफ़** ا, **बे** ب, **बड़ी हे** ح, **छोटी हे** ہ, **जीम** ج, **खे** خ, **एन** ع, **ग़ेन** غ, **फ़े** ف, **क़ाफ़** ق, **काफ़** ک, **मीम** م, **वाओ** و और **छोटी ये** ی वर्ण (इन्हें हुरूफ़–ए–क़मरी حُرُوفِ قَمَری के नाम से जाना जाता है) तब इन व्यंजनों को दोहराया नहीं जाता। इस तरह के सामसिक शब्दों में **लाम** को बोला जाता है जबकि **अलिफ़** को नहीं बोला जाता।

उदाहरण

دارُالحُکومَت = حُکومَت + ال + دار

दारुलहुकूमत = हुकूमत + उल + दार

जैसे حُکومَت کی جگہ हुकूमत की जगह (राजधानी)

عیدُالفِطر	بَینُ الاقوامی
ईदुल–फ़ितर	बेनुल–अक़वामी

ग) **वाओ के बाद आने वाला अलिफ़ लाम**

कुछ सामासिक शब्दों में पहले संज्ञा शब्द के अंतिम वर्ण **वाओ** को लघु स्वर **'उ'** की तरह बोला जाता है।

उदाहरण اَبُوالکَلام अबुलकलाम

घ) **छोटी ये के बाद आने वाला अलिफ़ लाम**

यदि पहला शब्द **छोटी ये** पर समाप्त होता है, तब वह वर्ण बोला नहीं जाता तथा **'अ'** की आवाज़ देने वाले पहले वर्ण के ऊपर ज़बर चिह्न लगाया जाता है।

उदाहरण حَتَّی الِامکان

हत्तल ईमकान

ङ) कुछ शब्दों में पूर्वसर्ग के बाद लघु स्वर का उच्चारण करने के लिए ज़ेर का चिह्न लगाया जाता है।

بِالکُل	بِالاِرادہ	بِالآخِر
बिल्कुल	बिलिरादा	बिलआख़िर
بِالغَرض	بِالخُصوص	بِالجَبر
बिल्ग़र्ज़	बिल्खुसूस	बिल्जब्र

गृहकार्य

सवाल 1- निम्नलिखित शब्दावली को ध्यान से पढ़ उसका उच्चारण और उसके मायने कॉपी पर लिखो।

शब्दावली

सार्वजनिक सूचना	اِطلاعِ عام	दिल का राज़	رازِ دِل
दिल की बीमारी	بیمارئِ دِل	दरिया की लहरें	مَوجِ دریا
अच्छी किस्मत	خوبئِ قِسمَت	फूलों की डाली	شاخِ گُل
खून की बूँद	قَطرَۂ خُون	गुलाब जल	عَرَقِ گُلاب
खुदा का बंदा	بَندَۂ خُدا	आकर्षण का केन्द्र	شَمعِ محفِل
देश की इज़्ज़त	آبروئے وَطَن	वफ़ा का रास्ता	راہِ وفا
मृत्यु दण्ड	سَزائے موت	नया महीना	ماہِ نَو
अंतर्राष्ट्रीय	بَینُ الاقوامی	वतन की आवाज़	صَدائے وَطَن
ईद (एक त्यौहार)	عیدُالفِطر	प्रेम का आरम्भ	ابتدائے عِشق